स्वच्छ भारत मिशन (SBM) 2.0 के अंतर्गत लीगेसी वेस्ट प्रबंधन की स्थिति

[स्रोत: द हिंदू](#)

स्वच्छ भारत मिशन (SBM) 2.0 के डैशबोर्ड के अनुसार, **लीगेसी वेस्ट (लीगेसी वेस्ट) प्रबंधन की** प्रगति धीमी रही है, वर्ष 2021 के बाद से 2,424 कूड़ा स्थलों में से केवल 470 का समाधान तथा 16% क्षेत्र को पुनः प्राप्त किया गया है।

- **लीगेसी वेस्ट** से तात्पर्य ऐसे अपशिष्ट से है जिसे **वर्षों से अनुचित तरीके से एकत्रित और संग्रहीत किया गया है,** यह अक्सर **बंजर भूमि या लैंडफिल, परित्यक्त खदानों और औद्योगिक स्थलों में पाया जाता है।**
  - **इसमें रेडियोलॉजिकल लक्षण-निर्धारण, सुरक्षा संबंधी मुद्दे, रिसाव प्रबंधन और अग्नि नियंत्रण सहित कई चुनौतियाँ शामिल हैं।**
  - प्रसंस्करण विधियों में **जैवोपचारण (बायोरेमेडिएशन), बायोमाइनिंग, स्थिरीकरण** और **स्क्रीनिंग शामिल हैं।**
  - इसे चार प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है: **संग्रहित, मृदा में दबा हुआ, मृदा और भूजल को संदूषित करने वाला** और **दूषित विनिर्माण सामग्री से उत्पन्न अपशिष्ट।**
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं की कमी के कारण भारत में **नगर पालिकाओं द्वारा शहरों के बाहरी इलाकों में 'लीगेसी वेस्ट डंपसाइट'** स्थापित किये गए हैं।
- सरकारी के अनुसार, देश भर में लगभग **15,000 एकड़ प्रमुख अचल सम्पत्ति लगभग 16 करोड़ टन पारंपरिक कचरे** के नीचे दबी हुई है।
- **राज्य का प्रदर्शन:**
  - **तमिलनाडु** में सबसे अधिक 837 एकड़ (42%) भूमि पुनः प्राप्त हुई है।
  - **प्रतिशत के आधार पर गुजरात शीर्ष पर है,** जिसने अपने लैंडफिल क्षेत्र का 75% (938 एकड़ में से 698 एकड़) पुनः प्राप्त कर लिया है।
- **स्वच्छ भारत मिशन शहरी (SBM-U) 2.0 को 2021 में लॉन्च किया गया** था, जिसका उद्देश्य वर्ष **2026 तक** सभी शहरों के लिये **"कचरा मुक्त स्थिति (Garbage-Free Status)" प्राप्त करना है।**
  - शहरी भारत को **[खुले में शौच मुक्त (ODF)](#) बनाने के लिये SBM-U 1.0 का शुभारंभ किया गया।**

और पढ़ें: [SBM-U 1.0 का दूसरा चरण, स्वच्छ भारत मिशन](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/status-of-legacy-waste-management-under-sbm-2-0